आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:15-08-14

विश्व की सर्व आत्माओं को मुक्ति और हम बच्चों को जीवनमुक्ति देने वाले, मीठे-मीठे, प्यारे-प्यारे शिवबाबा ने कहा, बाप आये है तुम्हें सच्ची स्वतंत्रता देने, जमघटों की सजाओं से मुक्त करने, रावण की परतंत्रता से छुड़ाने.

बाबा ने आज सारी मुरली में हम बच्चों को अपने मीठे-मीठे, मधुर महावाक्यों से बार-बार रियलाइज कराया की कैसे हम आत्माये, आधा कल्प, रावण राज्य में देह- अभिमानी में आने से पतित बन गई है. अब बाप आये है पावन बनाने तो तीव्र पुरुषार्थ कर पावन जरूर बनना चाहिए.

हम बाबा के सालिग्राम बच्चे, बाबा को बहुत प्यार करते है और जिसे प्यार करते उसके तो कड़क बोल भी फूलों जैसे लगते है क्योंकि हम जानते है बाबा जो भी कहते है या करते है हमारे कल्याण के लिए ही करते हैं. इसलिए बाबा ने जो भी महावाक्य हम बच्चों प्रति उच्चारे उसको ही रिपिट करेंगे, जिसे की हमारी आत्मा जाग्रत हो जाये और जो बाबा चाहते है की अब तीव्र पुरुषार्थ कर जल्दी-जल्दी संपूर्ण बन जाये.

- बाबा अब बच्चों को रियलाइज कराते हैं - बच्चों, तुम्हें लज्जा नहीं आती, तुम पतित बन गये, अब पावन बनो.
- यहॉ परमपिता-परमात्मा ब्रह्मा द्वारा डायरेक्ट समझाते हैं - हे बच्चों, तुम बाप का कहना नहीं मानते हो.
- तुमको भी बाप समझाते हैं - मुझ अपने बाप को याद करो. तुमको शर्म नहीं आती तुम धड़ी-धड़ी मुझे भूल जाते हो.
- बाप डायरेक्ट कहते हैं अरे, बाप का कहना नहीं मानते हो.
- बेहद का बाप कहते हैं यह जन्म निर्विकारी बनो तो 21 जन्म निर्विकारी बन पवित्र दुनिया का मालिक बनेंगे. यह नहीं मानते हो.
- बाबा तुमसे बच्चे-बच्चे कह बात करते हैं. बच्चे, तुम्हें लज्जा नहीं आती! बाप को याद नहीं करते हो. बाप के साथ तुम्हारा प्यार नहीं है. कितना याद करते हो? एक घण्टा. अरे, निरन्तर याद करेंगे तो तुम्हारे पाप कट जायेंगे. जन्म-जन्मांतर के पापों का बोझा तुम्हारे सिर पर है.

- बाप सम्मुख समझाते हैं - तुमने बाप की कितनी ग्लानि की है. तुम्हारे ऊपर तो केस चलना चाहिए. अखबार में कोई के लिए ग्लानि लिखते हैं तो उस पर केस करते हैं ना.

- अब बाप स्मृति दिलाते हैं - तुम क्या-क्या करते थे.

- बाप समझाते हैं ड्रामा अनुसार रावण के संग में यह हुआ है. अब भक्ति मार्ग पूरा हुआ, पास्ट हो गया, बिच में तुम्हें कोई रोकने वाला होता नहीं. दिन-प्रतिदिन उतरते-उतरते तमोप्रधान बुद्धि बुद्धू हो जाते हैं.

- जिसकी पूजा करते हैं, उनको ठिक्कर-भित्तर में कह देते हैं. इसको कहा जाता है बेहद की बेसमझी. बेहद के बच्चों की बेहद की बेसमझी. इतनी बेसमझी की जो बाप की ग्लानि कर दी है.

- कोई पाप करते हैं तो भगवान के आगे कान पकड़ कर कहते हैं - हे भगवान, बड़ी भूल हुई, रहम करो, क्षमा करो. तुमने कितनी बड़ी भूल की है.

- अब बाप कहते है तुमको और धर्म वालों का कल्याण करना है. बाप जो सबकी सद्गति करता है उनके लिए सब धर्म वाले कह देते हैं सर्वव्यापी है. यह कहॉ से सीखें. तुम्हारे कारण औरो का भी ऐसा हाल हो गया है. बाप कहते है तुम्हारे कारण सारी दुनिया चट खाते में गई है. निमित तुम बने हो.

- अभी सच्ची स्वतंत्रता देने बाप आये है. फिर भी रावण की जेल में परतंत्र होकर पाप करते रहते है. सच्ची स्वतंत्रता कोन सी है? यह मनुष्यों को तुम्हें बतलाना है.

- अब तुम जानते हो जब तक पावन नहीं बने हैं तब तक स्वतंत्र नहीं कहेंगे. फिर जमघटों की सजाये खानी पड़ेगी और पद भी भ्रष्ट हो जायेगा. बाप आते है घर ले जाने. वहॉ सब स्वतंत्र रहते है. अब मेहनत करनी है बाप को याद करने की जिसे समय से पहले पावन बन जाये और पद भी ऊँच पाये.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma Bhai on email:
a.brahmin.soul@gmail.com .